पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुंबई में हुआ राज्यपाल राम नाईक का अभिनन्दन

उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच एक नये पर्व की शुरूआत होगी - राज्यपाल

महाराष्ट्र के निर्माण में उत्तर प्रदेश वासियों का अद्वितीय योगदान है - श्री नाईक

लखनऊ: 20 मई, 2017

मुंबई की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'अभियान' ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाये जाने के निर्णय का स्वागत करते हुये आज उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक का अभिनन्दन स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मुंबई के विलेपार्ले स्थित नवीन भाई ठक्कर प्रेक्षागृह में किया गया था। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध गायिका पद्मश्री शोमा घोष, डा0 रामजी तिवारी पूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष मुंबई विश्वविद्यालय, वरिष्ठ उत्तर भारतीय नेता श्री मिठाई लाल सिंह, वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रेम शुक्ल एवं गीतकार श्री समीर अंजान सहित बड़ी संख्या में उत्तर भारतीय नागरिक भी उपस्थित थे। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'अभियान' पिछले 29 वर्षों से 24 जनवरी को मुंबई में 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस' का भव्य आयोजन करती आ रही है जिसमें श्री नाईक कई बार शामिल हो चुके हैं।

श्री राम नाईक उत्तर प्रदेश के राज्यपाल बनने के बाद से प्रदेश सरकार को प्रतिवर्ष 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस समारोह को सरकारी आयोजन के तौर पर भव्य रूप से मनाये जाने का सुझाव देते रहे हैं। पूर्व सरकार द्वारा इस विषय पर कोई खास रूचि नहीं दिखायी गई लेकिन चुनाव पश्चात् उत्तर प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री द्वारा राज्यपाल श्री राम नाईक के सुझाव पर 1 मई, 2017 को राजभवन में आयोजित महाराष्ट्र दिवस के अवसर पर 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस मनाये जाने की घोषणा की गयी तथा 2 मई, 2017 को विधिवत कैबिनेट में प्रस्ताव लाकर मंत्रि परिषद द्वारा इस पर मोहर लगायी गयी।

राज्यपाल ने अभिनन्दन समारोह में अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार शीघ्र ही एक एमओयू पर हस्ताक्षर करेगी, जिससे दोनों राज्यों के बीच सांस्कृतिक, शैक्षिक एवं आर्थिक आदान-प्रदान को गति मिलेगी। राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने राजभवन में आयोजित अपने पहले पत्रकार परिषद में कहा था कि वे चाहते हैं कि उत्तर प्रदेश 'उत्तम प्रदेश' बने, उन्हें विश्वास है कि इस एमओयू पर हस्ताक्षर से जहाँ प्रदेश की नई सरकार को उत्तर प्रदेश को 'सर्वोत्तम प्रदेश' बनाने का अवसर मिलेगा वहीं उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र के बीच एक नये पर्व की शुरूआत होगी। उन्होंने कहा कि 'उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस के आयोजन के निर्णय से मुझे वही आनन्द प्राप्त हुआ जो बम्बई को उसका असली नाम मुंबई दिलाने, संसद में जन-मन-गण व वन्दे मातरम् गाये जाने की शुरूआत कराने तथा कुष्ठ पीड़ितों को निवर्हन भत्ता उपलब्ध कराने में हुआ था।'

श्री नाईक ने कहा कि हमारे देश में भौगोलिक और प्राकृतिक विविधता से सम्पन्न प्रत्येक राज्य की अपनी विशेषता है। भारत भूमि हर राज्यों को आपस में जोड़ती है और हमारी विलक्षण संस्कृति हम सबको एक सूत्र में बांधती है। अनेकता में एकता ही हमारे देश की विशेषता रही है। हमारे प्रत्येक राज्य की बेमिसाल सांस्कृतिक विरासत है, अलग पहचान है। प्रत्येक राज्य का अपना एक स्थापना दिवस होता है, जिस पर विशेष आयोजन अवश्य होना चाहिये। इससे आने वाली पीढ़ियों को जहाँ अपनी सांस्कृतिक विरासत को जानने एवं समझने का अवसर मिलता है, वहीं उनमें अपनी संस्कृति को संरक्षित रखने की प्रेरणा भी मिलती है। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के विकास में उत्तर प्रदेश की धरती ने संगीत, साहित्य, कला से लेकर दर्शन एवं अध्यात्म तक के विभिन्न क्षेत्रों में अपना विशिष्ट योगदान दिया है। यह प्रदेश भगवान राम-कृष्ण की जन्मस्थली होने के साथ गौतम बुद्ध और महावीर की भी स्थली है। स्वाधीनता संग्राम में इस धरती से जुड़े अनेक वीर सपूतों, चन्द्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खां, राम प्रसाद बिस्मिल आदि ने संघर्ष किया और अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश को देश की हृदयस्थली कहा जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश का बहुत पुराना रिश्ता है। भगवान राम का वनवास अयोध्या और पंचवटी को जोड़ता है। छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक काशी के पुरोहित गागा भट्ट ने कराया था। स्वतंत्रता की लड़ाई में लोकमान्य तिलक ने लखनऊ के अधिवेशन में कहा था कि-'स्वराज हमारा जन्मसिद्ध अधिकार

है।' प्रथम स्वतंत्रता समर की शुरूआत उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले से हुई। अंग्रेजों ने इसे बगावत बताया तो स्वातंत्र्यवीर सावरकर ने उसे आजादी की लड़ाई की शुरूआत बताकर स्वाधीनता के इतिहास में नया पन्ना जोड़ा। यह रिश्ता आज भी बना है। फिल्मों में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन, प्रसिद्ध संगीतकार नौशाद, प्रख्यात शायर कैफी आजमी, कथक गुरू लच्छु महाराज, बिरजू महाराज और जाने कितने ऐसे नाम हैं जिन्होंने दोनों प्रदेश को प्रसिद्धि और संास्कृतिक समृद्धि दी है। मुंबई के निर्माण में उत्तर प्रदेश-वासियों का अद्वितीय योगदान है। महाराष्ट्र आज जो आर्थिक राजधानी है उसमें उत्तर प्रदेश-वासियों को भी श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे अनेक प्रसंग हैं जो महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश को एक डोर में बांधे हैं।

कार्यक्रम से पूर्व राज्यपाल ने छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी आदरांजलि अर्पित की। अभिनन्दन समारोह में अन्य लोगों ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (194/33)

सफल हुआ अभियान
सत्कारमूर्ति